बर्मिंघम में भारतीय टीम को पहली जीत की तलाश, आठ में से 7 मैचों में मिली है हार, एक रहा ड्रॉ

बर्मिंघम, एजेंसी।

भारतीय क्रिकेट टीम के लिए एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के शेष चार मैचों में वापसी करने की चुनौती है। दूसरा टेस्ट एजबेस्टन में दो जुलाई से खेला जाएगा। बर्मिंघम इंग्लैंड के उन तीन स्थलों में शामिल हैं जहां भारतीय टीम ने कभी जीत हासिल नहीं की है। बर्मिंघम में भारतीय टीम ने आठ मैच खेले हैं जिसमें सात में उसे हार का सामना करना पड़ा है जबकि एक मुकाबला ड्रॉ रहा है। दो अन्य जिन पर जीत नहीं मिली है, उनमें मैनचेस्टर और साउथम्पटन शामिल हैं।

सीरीज में पीछे चल रहा है भारत

लीड्स में भारतीय टीम को पांच मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। बेन स्टोक्स की टीम 1-0 से आगे चल रही है। भारतीय टीम के शीर्ष क्रम का प्रदर्शन अच्छा था लेकिन निचले क्रम के बल्लेबाज अपेक्षित योगदान नहीं दे पाए। पहली पारी में भारत के निचले क्रम के प्रदर्शन का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम के पहली पारी में अंतिम सात विकेट 41 रन पर गिर गए थे और भारतीय टीम जो एक समय 500 से ऊपर का स्कोर बनाती नजर आ रही थी वह 471 पर ऑलआउट हो गई थी।

गिल को कप्तानी में छोड़नी होगी छाप

दूसरी पारी में मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा खाता नहीं खोल पाए। भारतीय टीम ने अंतिम छह विकेट महज 32 रन पर गंवा दिए थे। प्रसिद्ध का कहना है कि निचले क्रम का भी बल्ले से योगदान दिया जाना जरूरी है और नेट प्रैक्टिस में इस पर भी जोर दिया जा रहा है। 25 साल के शुभमन गिल की कप्तानी को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। रोहित शर्मा के टेस्ट प्रारूप को अलविदा कहने के बाद गिल ने दायित्व संभाला है। एक बल्लेबाज के तौर पर तो उन्होंने पहली पारी में 147 रन की पारी खेलकर अच्छी फॉर्म का संकेत दिया है, लेकिन एक कप्तान के तौर पर अभी उन्हें छाप छोड़नी बाकी है।

रोहित शर्मा ने सूर्यकुमार के फाइनल में पकड़े कैच को याद किया

कोहली के योगदान को भी जमकर सराहा

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में सूर्यकुमार यादव के शानदार कैच को याद किया और कहा कि इस कैच ने मैच में अंतर पैदा किया। रोहित ने स्वीकार किया कि जब भारत ने जल्द ही तीन विकेट गंवा दिए थे तो वह नर्वस हो गए थे। उन्होंने साथ ही खिताब जिताने के लिए विराट कोहली की पारी को भी सराहा। भारत ने आज ही एक दिन एक साल पहले यानी 29 जून 2024 को दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराकर टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था।

मिलर का कैच लेकर मैच में कराई थी वापसी

फाइनल मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 176 रन बनाए थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम को छह गेंद पर 16 रन बनाने थे। स्ट्राइक पर विस्फोटक डेविड मिलर थे। उन्होंने हार्दिक पांड्या की गेंद को सामने की ओर खेला। ऐसा लगा कि गेंद बाउंड्री के बाहर चली जाएगी, लेकिन सूर्यकुमार बीच में आ गए। उन्होंने दो प्रयासों में इस कैच को पूरा किया। सूर्यकुमार ने मिलर का कैच लेकर मैच ही पलट दिया। उनके इसी कैच ने भारत की वापसी मैच में करा दी और टीम इंडिया चैंपियन बन गई थी।

रोहित ने कहा, कैच के बाद अंपायरों ने इसे तीसरे अंपायर की ओर भेजा और देखा कि सूर्यकुमार ने गेंद सही से पकड़ी है या नहीं। सभी की दिल की धड़कनें बढ़ गई थीं। मुझे लगा था कि गेंद छक्के के लिए गई है क्योंकि मैं लॉन्ग ऑन पर खड़ा था जो सूर्यकुमार के विपरीत था। मैं तो सोचना लग गया था कि अब दक्षिण अफ्रीका को पांच गेंदों पर 10 रन चाहिए, लेकिन फिर मैंने देखा कि सूर्यकुमार बीच में आ गए।

उन्होंने कहा, उसे कैच को पकड़ने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है क्योंकि जब गेंद हवा में होती है तो लगता है कि ये आसानी से बाउंड्री के पार चली जाएगी। लेकिन हवा के कारण मुझे लगा कि गेंद ग्राउंड पर रही। जब अंपायर कैच को दोबारा देख रहे थे तो मैं सूर्यकुमार के पास ही खड़ा था और मैंने उससे पूछा कि तुम मुझे बताओ कैच लिया है या नहीं क्योंकि मैं बड़े स्क्रीन पर नहीं देखना चाहता।

रोहित ने कहा, उसने मुझसे कहा कि मैंने कैच पकड़ा है। लेकिन फिर मैंने देखा कि वह किसी से कह रहा है कि मुझे पता नहीं, लेकिन मैंने कैच पकड़ा है। फिर उन्होंने स्क्रीन पर जूम करके दिखाया। जब स्थिति स्पष्ट हुई तो मुझे खुशी हुई। पर जब तक स्क्रीन पर फैसला नहीं देखा चैन नहीं पड़ा क्योंकि पता नहीं चलता कि तीसरा अंपायर क्या सोच रहा है।

रोहित बोले- अक्षर की पारी ने पलटा मैच

पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और केशव महाराज ने रोहित तथा ऋषभ पंत को आउट कर दिया था। फिर कगिसो रबाडा ने सूर्यकुमार को पवेलियन भेजा था जिससे भारत ने पावरप्ले में ही तीन विकेट गंवा दिए थे। रोहित ने कहा, जब हमने शुरुआत में ही तीन विकेट गंवा दिए तो जाहिर है कि ड्रेसिंग रूम का माहौल चिंतित हो गया था। मैं घबरा गया था और मुझे लग रहा था कि हम मैच में पिछड़ गए हैं। लेकिन मेरे दिमाग में ये भी चल रहा था कि टूर्नामेंट में हमारे मध्य क्रम को ज्यादा बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला है तो जब भी इन्हें अवसर मिलेगा वो प्रभाव छोड़ेंगे। कई लोग अक्षर पटेल की पारी के बारे में बात नहीं कर रहे लेकिन उस पारी ने ही मैच का रुख पलटा। उस वक्त 31 गेंदों पर 47 रन बनाना काफी महत्वपूर्ण था।

रोहित ने कहा, हमें ऐसे बल्लेबाज की जरूरत थी जो क्रीज पर टिका रहे और कोहली ने वो भूमिका अच्छी तरह निभाई। उन्होंने पूरी पारी में अच्छी बल्लेबाजी की और फिर शिवम दुबे, अक्षर और हार्दिक ने भी अपनी भूमिका निभाई। भारत के लिए लंबे समय तक खेलने का अनुभव आपकी मदद करता है। आप उस वक्त अपनी भावनाओं और विचारों को नियंत्रित नहीं रख सकते। मुझे यकीन है कि वह उस वक्त यही सोच रहा होगा।

भारतीय खिलाड़ियों ने इस तरह याद किए खिताबी जीत के पल

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत ने दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। फाइनल मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 176 रन बनाए थे। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 169 रन बना सकी थी। इस जीत के साथ भारत ने 11 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म कर दिया था।

आज ही के दिन एक साल पहले भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीतकर बारबाडोस में तिरंगा लहराया था। रोहित शर्मा की अगुआई में टीम इंडिया ने फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर आईसीसी ट्रॉफी जीतने के सूखे को समाप्त किया था और करोड़ों देशवासियों को खुश होने का मौका दिया था। अब रोहित शर्मा से लेकर सूर्यकुमार यादव तक ने भारतीय टीम की जीत के ऐतिहासिक पलों को याद किया है।

भारत ने दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। फाइनल मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 176 रन बनाए थे। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 169 रन बना सकी थी। इस जीत के साथ भारत ने 11 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म कर दिया था। भारत ने इससे पहले 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। वहीं, भारत ने 17 साल बाद टी20 विश्व कप और 13 साल बाद कोई विश्व कप जीता था। 2011 में भारत ने वनडे विश्व कप जीता था।

टी20 विश्व कप फाइनल से पहले घबराए हुए थे रोहित शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी।

रोहित शर्मा ने बताया है कि टी20 विश्व कप 2024 फाइनल से पहले वह किस तरह घबराए हुए थे और इस मुकाबले को लेकर उनका अहसास क्या था। भारत ने आज ही एक दिन एक साल पहले यानी 29 जून 2024 को दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराकर टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम ने इसके साथ ही आईसीसी टूर्नामेंट जीतने का 11 साल का सूखा समाप्त कर लिया था।

ठीक से सो भी नहीं पाए थे रोहित

फाइनल मैच की याद करते हुए रोहित ने बताया कि किस तरह वह घबराहट में फाइनल से एक दिन पहले ठीक से नहीं सो सके थे। रोहित ने एक स्पोर्ट्स चैनल के कार्यक्रम पर कहा, 13 साल का समय बहुत लंबा होता है। ज्यादातर लोगों का करियर 13 साल का भी नहीं होता। इसलिए, विश्व कप जीतने के लिए इतने लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। मैंने आखिरी बार 2007 में विश्व कप जीता था। मेरे लिए, इससे बड़ी कोई बात नहीं हो सकती थी।

तेल कीमतें कम हुईं, लेकिन सब कुछ ठीक होने का दावा करना जल्दबाजी

नई दिल्ली, एजेंसी।

इजराइल-ईरान के बीच संक्षिप्त युद्ध के कारण तेल की कीमतों में आई तेजी अब नरम पड़ी है, लेकिन सब कुछ ठीक होने का दावा करना जल्दबाजी होगा। युद्धविराम हो गया है और तेल की कीमतों में तेजी से गिरावट आई।

वित्त मंत्रालय की एक रिपोर्ट में शुक्रवार को दावा किया गया कि इजराइल-ईरान के बीच संक्षिप्त युद्ध के कारण तेल की कीमतों में आई तेजी अब नरम पड़ी है, लेकिन सब कुछ ठीक होने का दावा करना जल्दबाजी होगा। मंत्रालय की मासिक आर्थिक समीक्षा में इस बात पर भी जोर दिया गया कि वृहद-आर्थिक क्षेत्र में कोई बड़ा असंतुलन न होने, मुद्रास्फीति की दर में नरमी और वृद्धि को समर्थन देने वाली मौद्रिक नीति के कारण भारत की वृहद-आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल-ईरान के बीच संक्षिप्त युद्ध होने और फिर अमेरिकी हस्तक्षेप होने के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से उछाल आया। मंत्रालय ने कहा, हालात ऐसे ही बने रहते तो चालू वित्त वर्ष में भारत की वृद्धि और राजकोषीय संभावनाओं को खतरा हो सकता था। शुक्र है कि युद्धविराम हो गया है और तेल की कीमतों में तेजी से गिरावट आई। इसमें कहा गया है कि तेल की वैश्विक आपूर्ति पर्याप्त है, लेकिन बीमा लागत और मार्ग अवरुद्ध होने के कथित जोखिम के कारण कीमत में वृद्धि हो सकती है।

अमूल बना देश का सबसे भरोसेमंद फूड ब्रांड

दूसरे नंबर पर मदर डेयरी की चमक बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत में खाने-पीने के ब्रांड्स की बात करें तो देश की सबसे बड़ी डेयरी कंपनी अमूल ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखा है। ब्रांड फाइनेंस की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, अमूल भारत का नंबर-1 फूड ब्रांड बना हुआ है। वहीं दिल्ली-एनसीआर की मदर डेयरी ने दूसरा स्थान हासिल किया है। ब्रांड फाइनेंस इंडिया की साल 2025 वाली रिपोर्ट के अनुसार, अमूल की ब्रांड वैल्यू 4.1 बिलियन डॉलर आंकी गई है। इसके बाद मदर डेयरी की ब्रांड वैल्यू 1.15 बिलियन डॉलर रही। तीसरे स्थान पर ब्रिटानिया, चौथे पर कर्नाटक की डेयरी कंपनी नंदिनी और पांचवें स्थान पर डाबर का नाम शामिल है।

गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन के एमडी जयन मेहता ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह देशभर के लाखों किसानों की मेहनत और उपभोक्ताओं के भरोसे का नतीजा है। अमूल न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी लगातार अपना विस्तार कर रहा है और भारतीय परिवारों का भरोसा बनाए रखना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। मदर डेयरी के एमडी मनीष बंदलिश ने भी इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मदर डेयरी की ब्रांड रैंकिंग में यह सुधार हमारे उपभोक्ताओं, किसानों, भागीदारों और कर्मचारियों की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने बताया कि कंपनी का टर्नओवर 2024-25 में करीब 17,500 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की तुलना में 16 फीसदी ज्यादा है।

अमूल आज दुनिया की सबसे बड़ी किसान-स्वामित्व वाली डेयरी कंपनी है, जिसमें 36 लाख से ज्यादा किसान जुड़े हैं। अमूल हर दिन 3.2 करोड़ लीटर दूध इकट्ठा करता है और 24 अरब से ज्यादा पैक अमूल प्रोडक्ट्स बेचता है। वहीं मदर डेयरी ऑपरेशन फ्लड योजना के तहत स्थापित की गई थी, जो दूध, तेल, फल-सब्जी समेत कई उत्पाद बेचती है। यह दोनों ब्रांड्स भारतीय उपभोक्ताओं के भरोसे का बड़ा उदाहरण बन चुके हैं।

सीमेंट उद्योग ने पकड़ी रफ्तार

खपत 9 प्रतिशत बढ़ी, कीमतों में 8 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी।

सीमेंट उद्योग में मई 2025 में सालाना अधार पर 9 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए की नवीनतम रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार सीमेंट की खपत 39.6 मिलियन मीट्रिक टन (एमटी) हो गई है, जबकि औसत सीमेंट कीमतों में भी करीब 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इसमें बताया गया कि कम बिक्री के बाद भी सीमेंट उद्योग ने मई 2025 में 50 किलोग्राम बैग की कीमत 8 प्रतिशत बढ़कर 360 रुपये रही, जबिक वित्त वर्ष 2025 में यह कीमत 340 रुपये थी। यह साल-दर-साल आधार पर 7त्न कम थी। हालांकि, चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों (अप्रैल और मई) में कीमतों में 7 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी देखी गई है।

इनपुट लागत में स्थिरता से मिला समर्थन

इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि इनपुट लागत में स्थिरता के कारण परिचालन मार्जिन में भी सुधार हुआ है। इसका कारण कोयले और पेटकोक की ऊर्जा कीमतें कम हैं तथा डीजल की कीमतें स्थिर हैं। वहीं, अप्रैल और मई 2025 में कुल बिक्री वॉल्यूम 8 प्रतिशत बढ़कर 78.7 मिलियन मीट्रिक टन रहा, जबकि पूरे स्नङ्क2025 में यह आंकड़ा 6.3त्न की वृद्धि के साथ 453 मिलियन मीट्रिक टन पर पहुंचा।

अनंत अंबानी को मिली बड़ी जिम्मेदारी, सालाना मिल सकता है 20 करोड़ तक वेतन

नई दिल्ली, एजेंसी।

रिलायंस समूह ने अनंत अंबानी को कंपनी का कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया है। इसके तहत अब उन्हें सालाना 10 से 20 करोड़ रुपये का वेतन, मुनाफे में से कमीशन और आवास, चिकित्सा, यात्रा व सुरक्षा जैसी कई सुविधाएं मिलेंगी। भारत की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने चेयरमैन मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत अंबानी को कंपनी का कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया है। इस नई जिम्मेदारी के तहत अब उन्हें सालाना 10 से 20 करोड़ रुपये तक का वेतन, कई तरह के भत्ते और कंपनी के मुनाफे में से कमीशन भी मिलेगा। रिलायंस ने शेयरधारकों को भेजी गई एक नोटिस में बताया है कि अनंत को घर, यात्रा, चिकित्सा, सुरक्षा, और परिवार सहित खर्चों की भरपाई सहित कई सुविधाएं मिलेंगी। इसके अलावा उन्हें बिजनेस ट्रिप के दौरान पत्नी व सहायकों के साथ यात्रा और रहने का खर्च भी कंपनी उठाएगी।

बता दें कि 2023 में मुकेश अंबानी ने अपने तीनों बच्चों आकाश, ईशा और अनंत को कंपनी के बोर्ड में नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में शामिल किया था। तब उन्हें कोई वेतन नहीं मिलता था, केवल बैठक में शामिल होने का 4 लाख रुपये का शुल्क और करीब 97 लाख रुपये का मुनाफे पर कमीशन दिया गया था। हालांकि अब कार्यकारी निदेशक बनने के बाद 30 वर्षीय अनंत को पूरा वेतन मिलेगा। इसको लेकर रिलायंस ने कहा है कि उन्हें ऑयल-टू-केमिकल, न्यू एनर्जी, विनाइल, स्पेशलिटी पॉलिएस्टर, और गिगाफैक्ट्रीज जैसे प्रोजेक्ट्स की जिम्मेदारी दी गई है।

देखा जाए तो अनंत 2015 से रिलायंस समूह से जुड़े हैं। उन्होंने ब्राउन यूनिवर्सिटी से स्नातक किया है और कंपनी के एनर्जी बिजनेस, खासकर सोलर और रिन्युएबल प्रोजेक्ट्स में अहम भूमिका निभा रहे हैं। वे रिलायंस फाउंडेशन और वन्यजीव संरक्षण प्रोजेक्ट वन्तारा से भी जुड़े हैं।

अंबानी परिवार की अगली पीढ़ी संभाल रही है ये जिम्मेदारियां

गौरतलब है कि रिलायंस के उत्तराधिकार की योजना के तहत तीनों अंबानी बच्चे आकाश, ईशा और अनंत को अलग-अलग बिजनेस यूनिट्स की जिम्मेदारी दी गई है। आकाश अंबानी जियो इंफोकॉम के चेयरमैन हैं। ईशा अंबानी रिलायंस रिटेल और ई-कॉमर्स की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। तो वहीं अनंत अंबानी ऊर्जा और केमिकल कारोबार में अहम भूमिका निभा रहे हैं।